No. of Printed Pages : 6 **BESE–132**

BACHELOR OF EDUCATION

(B.Ed.)

Term-End Examination

June, 2026

BESE-132 : GUIDANCE AND COUNSELLING

Time : 3 Hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All questions are compulsory.*

(ii) All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about **600** words :

   Explain the concept of group counselling. How is group structuring done ?

   Or

   Explain the following techniques of guidance :

   (a) Case study

   (b) Cumulative record

2. Answer the following question in about **600** words :

   Explain Ginzberg's theory of career development.

   Or

   Explain the different roles of guidance personnel in schools.

3. Answer any *four* of the following in about **150** words each :

   (a) Explain the role of guidance service in facilitating classroom learning.

   (b) What is follow-up service in guidance programme ?

   (c) What are the principles of group guidance ?

   (d) Explain the skills of 'active listening' and 'attending' in counselling.

   (e) What are the resources required for organizing occupational information service ?

   (f) Describe the sources of stress among school children.

4. Answer the following question in about **600** words :

   Describe the difficulties faced by children with disabilities in interpersonal relations and social adjustment. Illustrate the role of guidance counsellors in helping these children with their social and emotional development.

BESE–132

शिक्षा स्नातक

(बी. एड.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.ई.एस.ई.-132 : मार्गदर्शन एवं परामर्श

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

समूह-परामर्श की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। समूह-संरचना (ग्रुप-स्ट्रक्चरिंग) किस प्रकार की जाती है ?

अथवा

मार्गदर्शन की निम्नलिखित तकनीकों की व्याख्या कीजिए :

(अ) केस-अध्ययन (केस स्टडी)

(ब) संचयी आलेख/अभिलेख (कुमुलेटिव रेकार्ड)

2. निमनलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

गिन्जबर्ग के करियर विकास सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

अथवा

विद्यालयों में मार्गदर्शन कार्मिक की विभिन्न भूमिकाओं की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए :

(क) कक्षाकक्ष अधिगम को सहज बनाने में मार्गदर्शन सेवा की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

(ख) मार्गदर्शन कार्यक्रम में अनुवर्ती-सेवा (फॉलोअप सर्विस) क्या है ?

(ग) समूह-मार्गदर्शन के सिद्धान्त कौन-से हैं ?

(घ) परामर्श में 'सक्रिय श्रवण' (ऐक्टिव-लिसेनिंग) एवं 'ध्यान' (अटेंडिंग) कौशलों की व्याख्या कीजिए।

(ङ) व्यावसायिक सूचना सेवा (ऑक्यूपेशनल इन्फॉरमेशन सर्विस) के गठन के लिए आवश्यक संसाधन कौन-से हैं ?

(च) विद्यालयी बच्चों में तनाव के स्रोतों (सोर्सेज आफ स्ट्रेस) का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

अन्त:वैयक्तिक सम्बन्धों और सामाजिक समायोजन में अशक्त बच्चों द्वारा सामना की जा रही कठिनाइयों का वर्णन कीजिए। इन बच्चों के अपने सामाजिक एवं सांवेगिक विकास में सहायता करने में मार्गदर्शन परामर्शदाताओं की भूमिका को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

× × × × ×